देहरादून (उत्तराखण्ड)
सोमवार 26.05.2025
समय 1305

मुख्य समाचार :–

- केदारनाथ यात्रा में तैनात पीआरडी जवानों का 20 लाख रुपये का बीमा किया गया।
- बरसात के मौसम में डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों की आशंका को देखते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेशवासियों से स्वच्छता बनाए रखने की अपील की।
- देहरादून का सम्भागीय परिवहन कार्यालय, चिल्ड्रन ट्रैफिक पार्क के माध्यम से जन–जागरूकता अभियान चलाएगा।
- पौड़ी में जिला गंगा समिति के सदस्य सचिव स्वप्निल अनिरुद्ध की अध्यक्षता में समिति की समन्वय बैठक हुई।

पीआरडी बीमा

केदारनाथ यात्रा में तैनात प्रांतीय रक्षक दल– पीआरडी के जवानों का 20 लाख रुपये का बीमा किया गया है। साथ ही उनके लिए भोजन, स्वास्थ्य और गर्म कपड़ों का विशेष ध्यान रखा जा रहा है।

दो मई से शुरू हुई केदारनाथ यात्रा में जिला मुख्यालय रुद्रप्रयाग से केदारनाथ तक पीआरडी जवान जगह–जगह तैनात किये गए हैं। जवानों द्वारा यातायात व्यवस्था के साथ ही यात्रियों की देख–रेख और घोड़ा–खच्चरों की निगरानी सहित सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाने में अहम भूमिका निभाई जा रही है। यात्रा को सफल बनाने के लिए ये जवान हर क्षेत्र में काम कर रहे हैं। जिला युवा कल्याण अधिकारी वरद जोशी ने बताया कि यात्रा प्रबंधन में पीआरडी जवान, सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। इन जवानों की खुराक का विशेष ध्यान रखते हुए हर 15 दिनों में सेक्टर मजिस्ट्रेट द्वारा भेजी गई मांग के अनुसार उच्च गुणवत्ता वाला राशन उपलब्ध कराया जा रहा है। वहीं, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि जवानों को रेस्क्यू के लिए अच्छे स्ट्रैचर, एलईडी व फोकस लाइट से लेकर उच्च गुणवत्ता वाली रस्सी, स्टिक और फर्स्ट एड किट जवानों को उपलब्ध कराई गई है।

डेंगू–मलेरिया रोकथाम/अपील

आगामी बरसात के मौसम में डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों की आशंका को देखते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेशवासियों से स्वच्छता बनाए रखने की अपील की है। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में लोगों से आग्रह किया है कि वे हर रविवार अपने घर और आस–पास के क्षेत्रों में जलभराव की जांच करें और सुनिश्चित करें कि कहीं भी पानी एकत्र न हो।

राज्यपाल

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने कहा है कि उत्तराखण्ड के प्रत्येक तीर्थ स्थल की अपनी विशिष्ट आध्यात्मिक पहचान है, जो न केवल मन को शांति प्रदान करती है, बल्कि आत्मबल और सकारात्मक ऊर्जा का भी संचार भी करती है। राज्यपाल ने आज अपने नैनीताल प्रवास के दौरान ऐतिहासिक गुरुद्वारे में मत्था टेका और मां नैना देवी मंदिर में पूजा–अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख, समृद्धि और कल्याण की कामना की। राज्यपाल के आगमन पर गुरुद्वारा प्रबंधन समिति व मंदिर प्रबंधन समिति के पदाधिकारियों ने राज्यपाल का स्वागत किया गया और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि ऐसे स्थलों पर आकर एक विशेष प्रकार की आस्था और आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव होता है।

चिल्ड्रन ट्रैफिक पार्क

देहरादून का सम्भागीय परिवहन कार्यालय अब चिल्ड्रन ट्रैफिक पार्क के माध्यम से जन–जागरूकता अभियान चलाएगा। इस अभियान में नाबालिग बच्चों को यातयात के नियम सिखाए जाएंगे। इसके लिए उन शहरों में पार्क का निर्माण किया जा रहा है, जहां अधिक दुर्घटनाओं होती हैं। इनमें देहरादून भी शामिल है। आरटीओ प्रवर्तन, अनीता चमोला ने बताया कि हरिद्वार, हल्द्वानी और रुद्रपुर में इस कार्य योजना पर तेजी से काम किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि देहरादून के सहस्त्रधारा हेलीपैड के निकट सिटी पार्क में चिल्ड्रन ट्रैफिक पार्क बनाया जा रहा है, जहां बच्चों को यातायात के गुर सिखाए जाएंगे।

जिला गंगा समिति

पौड़ी गढ़वाल वन प्रभाग के उप वन संरक्षक व जिला गंगा समिति के सदस्य सचिव, स्वप्निल अनिरुद्ध की अध्यक्षता में वीसी के माध्यम से समिति की समन्वय बैठक हुई। बैठक में उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट को लेकर जिला पंचायत व विकासखंड स्तर पर किये गए कार्यों की आख्या उपलब्ध कराने को कहा। इस दौरन ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, निर्माण व विध्वंस वेस्ट प्रबंधन, प्लास्टिक प्रबंधन और शौचालय प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर संबंधित रेखीय विभागाध्यक्षों के साथ चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत स्तर पर प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट को लेकर प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जिला पंचायत व विकासखंड स्तर पर चालानी कार्रवाई का अधिकार दिया गया है। उन्होंने ग्रामीण कस्बों के सार्वजनिक शौचालयों की नियमित सफाई को लेकर संबंधित अधिकारियों को रिपोर्ट उपलब्ध कराने को कहा है। सदस्य सचिव ने जिला पंचायत राज अधिकारी को गांवों में कूड़े के लिए निर्धारित स्थानों पर उसका नियमित एकत्रीकरण सुनिश्चित करवाने को कहा है।

गंगोत्री स्वच्छता

गंगोत्री धाम में भागीरथी नदी में एकत्रित होने वाले कपड़ों के निस्तारण के लिए नगर पंचायत की ओर से महिला स्वयं सहायता समूह से संपर्क किया जा रहा है। धाम में अभी तक करीब दो टन कपड़े और साड़ियां एकत्रित की गई हैं। इनको बैग आदि प्रयोग के लिए तैयार किया जाएगा। गंगोत्री धाम पहुंचने पर यात्रियों की ओर से मां गंगा को भेंट स्वरूप कपड़े और साड़ियां नदी में चढ़ाई जाती है। वहीं कई लोग गंगा स्नान करने के बाद अपने पहने हुए कपड़ों को भी नदी में फेंक देते हैं। इस कारण नदी दूषित हो रही है। गत वर्ष उत्तरकाशी जिला प्रशासन की ओर से इसको लेकर जन–जागरूकता अभियान के साथ ही वहां पर स्वच्छता अभियान चलाया गया था। लेकिन उसके बावजूद यात्री नदी में कपड़े प्रवाहित कर रहे हैं। इस कारण नदी में जगह–जगह पर पत्थरों के बीच फंसे हुए कपड़े नदी की सुंदरता को खराब कर रहे हैं। इस वर्ष भी नगर पंचायत की ओर से नदी में स्वच्छता अभियान चलाया गया। बीते 25 दिनों में भागीरथी नदी में करीब दो टन कपड़े एकत्रित हुआ है। नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी उमेश सुयाल का कहना है कि इन कपड़ों को मशीन में निस्तारण नहीं किया जा सकता है। इसलिए इस संबंध में महिला स्वयं सहायता समूह से संपर्क कर इन कपड़ों से बैग आदि तैयार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जून तक इस पर कार्य शुरू हो जाएगा।

सत्यापन अभियान

पौड़ी के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक लोकेश्वर सिंह के निर्देश पर आपराधिक गतिविधियों पर रोक लगाने को लेकर जिले में सत्यापन अभियान चलाया गया। इस दौरान पुलिस ने नौकरों और किरायदारों का सत्यापन नहीं कराने पर 24 मकान मालिकों का चालान काटते हुए न्यायालय को भेजे।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने बताया कि अभियान के तहत कोतवाली कोटद्वार, थाना सतपुली और थाना पैठाणी पुलिस टीम ने अपने–अपने थाना क्षेत्र में 400 से अधिक बाहरी व्यक्तियों, किरायेदारो, मजदूरों और रेड़ी–ठेली वालों के भौतिक सत्यापन किए। इस दौरान 24 मकान मालिकों के विरूद्ध 2 लाख 40 हजार रुपए का चालान करते हुए न्यायालय को भेजे गए। उन्होंने मकान मालिकों, प्रतिष्ठानों, होटल और ढाबा संचालको से अपने–अपने किरायेदारों, नौकरों का शत–प्रतिशत सत्यापन अवश्य करवाने की अपील की है।